दीर्घकालीन प्रेक्षणों से पता चला है कि दिल्ली के कुछ क्षेत्रों में जल के स्तर में धीरे-धीरे गिरावट आई है। गत दस वर्षों के दौरान, भूजल के स्तर में महरौली ब्लाक में 6-8 मीटर, अलीपुर, नजफगढ़, नांगलोई और शहरी ब्लाकों में 2-5 मीटर तथा शाहदरा ब्लाक में 1-2 मीटर तक गिरावट आई है।

(ग) दिल्ली के इन क्षेत्रों में भूजल के स्तर में गिरावट मुख्यतः अत्यधिक जल निकालने और बढ़ते शहरीकरण की वजह से भूजल के पुनर्भरण में कमी आ जाने के कारण आई है।

(घ) केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड ने "राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में भूजल संसाधनों के विकास और संवर्धन" शीर्षक से एक रिपोर्ट तैयार की है। इस रिपोर्ट की एक प्रति राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार को अनुवर्ती कार्रवाई के लिए भेजी गई है। बोर्ड कर्नाटक, महाराष्ट्र, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली और चंडीगढ़ में भूजल पुनर्भरण के अध्ययनों पर एक केन्द्रीय क्षेत्र की स्कीम भी कार्यान्वित कर रहा है। दिल्ली में, पुनर्भरण अध्ययन जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी और आई० आई० टी० दिल्ली में किए जा रहे हैं। बोर्ड ने भूजल को कृत्रिम पुनर्भरण पर एक मैनुअल तैयार किया है और इसे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सहित सभी राज्य सरकारों को परिचालित भी किया है जो भूजल के कृत्रिम पुनर्भरण पर दिशानिर्देश के रूप में काम करेगा।

Exploration of Ground Water in Gujarat

4261. SHRI AHMED PATEL: Will the Minister of WATER RESOURCES be pleased to state:

(a) whether Central Ground Water Board has carried out drilling and scientific exploration of ground water to find out the sources of potable water in Gujarat;

(b) if so, the details thereof for the last three years, year-wise with the sources of potable water located therein; and

(c) the steps being taken by Government for maximum utilisation of potable water explored by the Board in the State?

THE MINISTER OF WATER RESOURCES (SHRI JANESHWAR MISHRA): (a) Yes, Sir.

(b) During the last three years the Central Ground Water Board has drilled 73 exploratory wells, 52 observation wells and 86 pcizometers in the State of Gujarat for carrying out scientific exploration of ground water for various purposes, including that for finding out the sources of potable water. District and year-wise details of these borewells is given in the Statement (*see below*).

(c) Development and use of ground water for various purposes, including that for drinking and irrigation, is done by the concerned State Governments. Central Ground Water Board provides technical assistance for location and utilisation of sources of potable water as required by the State Governments. The successful exploratory wells drilled by the Board are also handed over to the States for their utilisation.

Statement

District and year-wise details of borewells drilled by CPWD in Gujarat

Sl. No.	*Districts*	*No. of boreholes drillied by CGWB*		
		*EW**	*OW***	*PZ****
1993-94				
1.	Bhavnagar	8	1	—
2.	Junagarh	1	—	—
3.	Kheda	3	8	—
4.	Mehsana	—	—	15
5.	Rajkot	8	6	—
6.	Valsad	15	7	—
1994-95				
1.	Amreli	5	3	—
2.	Banaskantha	5	6	—
3.	Baroda	—	—	9
4.	Bhavnagar	1	—	—
5.	Kheda	—	3	7
6.	Mehsana	1	3	9
7.	Rajkot	2	2	—
8.	Surat	3	—	—
9.	Valsad	5	3	—
1995-96				
1.	Ahmedabad	—	—	16
2.	Baroda	—	—	2
3.	Banaskantha	2	3	—
4.	Dang	—	—	1
5.	Kheda	—	—	1
6.	Mehsana	1	2	14
7.	Rajkot	6	1	8
8.	Surat	7	3	4
9.	Valsad	—	1	1
	Total	73	52	86

*EW-Exploratory Wells
**OW-Observation Wells
***PZ-Peizometers

त्रिपुरा में जलाशय परियोजनाओं को पूरा करना

4262. **श्री अनन्तराय देवशंकर दवेः** क्या जल संसाधन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) त्रिपुरा में उन जलाशय परियोजनायों, जोकि पूर्ण होने की अवस्था में हैं, की वर्तमान स्थिति क्या है और उनके क्या-क्या नाम है;

(ख) क्या उससे कुल मेगावाट विद्युत के उत्पादन होने की संभावना है;

(ग) इन परियोजनाओं पर कुल कितनी धनराशि खर्च की गयी है;

(घ) इस उद्देश्य के लिये चालू वित्तीय वर्ष के दौरान कितनी धनराशि उदिदष्ट की गयी है; और

(ङ) परियोजना की लागत में वृद्धि के क्या कारण हैं?